आकाशवाणी
देहरादून (उत्तराखण्ड)

सोमवार 29.07.2024 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– सरकार चम्पावत को आदर्श जिला बनाने की दिशा में प्रयासरत।
- केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना– शहरी के अंतर्गत अब तक कुल 1 करोड़ 18 लाख से अधिक मकान स्वीकृत किये।
- गढ़वाल मंडल के आयुक्त ने टिहरी के बूढ़ाकेदार क्षेत्र में आपदा प्रभावितों से मुलाकात कर हर संभव मदद का आश्वासन दिया।
- बाघ संरक्षण के बारे में जागरूकता बढाने के लिए आज अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया गया।

सेब दिवस चम्पावत

मुख्यमत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि सरकार चम्पावत को आदर्श जिला बनाने की दिशा में काम कर रही है। इसके तहत किसानों और सेब उत्पादकों की आय में बढ़ोतरी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। चम्पावत में आयोजित ''सेलिब्रेटिंग एप्पल हार्वेस्ट'' कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सेब को नई पहचान देने के लिए एप्पल मिशन के तहत 80 प्रतिशत सब्सिडी देकर नई सेब नीति बना रही है। एप्पल मिशन में सहयोग कर रहे एक निजी संस्था के निदेशक राजीव गुप्ता ने बताया कि दो साल पहले उन्नत एप्पल मिशन के तहत चंपावत में सेब के 100 बागीचे लगाए गए और इससे किसानों की आय में निश्चित तौर पर वृद्धि होगी। किसान कमल गिरी ने बताया कि वे पहले खेती बाड़ी करते थे लेकिन मुख्यमंत्री के प्रयास से एप्पल मिशन से दो यूनिट 500 सेब पेड़ लगाए, जिससे 20 कुन्तल सेब का उत्पादन हुआ। गौरतलब है कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत जिले में सेब के 100 बगीचे लगाये गए हैं। इसके अच्छे परिणाम सामने आए हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना

प्रधानमंत्री आवास योजना– शहरी के अंतर्गत अब तक कुल एक करोड़ 18 लाख से अधिक मकान स्वीकृत किये जा चुके हैं। आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू ने आज राज्यसभा में एक प्रश्न के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा कि कुल स्वीकृत घरों में से एक करोड़ 14 लाख से अधिक आवास निर्माणाधीन हैं तथा 85 लाख से अधिक का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। श्री साहू ने कहा कि मंत्रालय देश भर में सभी पात्र शहरी लाभार्थियों को बुनियादी नागरिक सुविधाओं के साथ पक्के घर उपलब्ध कराने के लिए 2015 से इस योजना के अंतर्गत केंद्रीय सहायता प्रदान करके राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रयासों को साकार करता ळें

श्रावण मास

आज श्रावण मास का दूसरा सोमवार है। प्रदेशभर के शिवालयों में शिव भक्तों ने जलाभिषेक कर पूजा अर्चना और रूद्राभिषेक किया। वहीं, हरिद्वार के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। शिव मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की कतारें लगनी शुरू हो गई थी। हरिद्वार के प्रसिद्ध मंदिर दक्ष प्रजापति मंदिर, बिल्वकेश्वर मंदिर और अन्य शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। बिल्वकेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी पुनीत पुरी ने बताया की सावन के महीने में शिवलिंग पर जलाभिषेक करने से अक्षय फल की प्राप्ति होती है। अल्मोड़ा के जागेश्वर

धाम में भी श्रद्धालुओं ने भगवान शिव पर जलाभिषेक कर पार्थिव पूजन किया। जागेश्वर मंदिर के पुजारी पण्डित कैलाश भट्ट ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार जागेश्वर धाम में पृथ्वी का पहला ज्योर्तिलिंग स्थापित हुआ था और यहीं से शिव लिंग पूजा प्रारंभ हुई थी।

आपदा प्रबंधन

राज्य आपदा प्रबंधन के उपाध्यक्ष विनय रूहेला ने कहा कि आपदा और आपदा के बाद अधिकारी तत्परता से कार्य करें और सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करें। राज्य आपदा प्रबंधन के उपाध्यक्ष ने आज रुद्रप्रयाग में अधिकारियों के साथ बैठक कर आपदा प्रबंधन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आपदा अचानक आने वाली घटना है और इस घटना के दुष्परिणामों से निपटने के लिए अधिकारियों को पहले से ही पूरी तरह तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि संवेदनशील गांवों व स्थलों पर विशेष सतर्कता की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भूस्खलन प्रभावित सड़कों पर जेसीबी मशीने हर वक्त तैयार रखें ताकि केदारनाथ समेत अन्य धामों की यात्रा प्रभावित न हो।

आयुक्त दौरा

गढ़वाल मंडल के आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने आज टिहरी जिले में भिलंगना ब्लॉक के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। प्रभावितों से मुलाकात के दौरान उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि वैज्ञानिक रिपोर्ट के आधार पर आपदा से प्रभावित गांवों का निकटवर्ती सुरक्षित स्थानों पर पुनर्वास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बूढ़ाकेदार मंदिर के संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे और उत्तरकाशी की तर्ज पर बालगंगा तथा धर्म गंगा नदी को चैनलाइज कर आसपास के गांवों, खेतों को होने वाले नुकसान का बेहतर प्रबंध किया जाएगा। गढ़वाल मंडल के आयुक्त ने कहा कि सुरक्षात्मक कार्यों और पुनर्वास के लिए धन की कमी आड़े नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि आपदा की दृष्टि से संवेदनशील पूरे बूढ़ाकेदार क्षेत्र का भूगर्भीय सर्वे भी किया जाएगा। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रशासन ने व्यवस्थाएं सुचारू करने के लिए पर्याप्त मशीनें तैनात की हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस

आज अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस है। इस मौके पर वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा प्रदेश में बाघों के संरक्षण के लिए हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बाघों की संख्या 560 तक पहुंच गयी है। प्रोजेक्ट टाइगर के तहत बाघ संरक्षण के लिए विशेष नीतियां भी बनाई गई हैं। बाघों के संरक्षण में प्रोजेक्ट टाइगर का अहम योगदान रहा है। प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत उत्तराखंड के प्रसिद्ध कॉर्बेट टाइगर रिजर्व से हुई थी। फारेस्ट रिचर्स वानिकी केंद्र के अधिकारी कुंदन कुमार ने बताया कि टाइगर के संख्या बढ़ना पारस्थितिकीय के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। वही, टाइगर के संख्या बढ़ने से पर्यटन के क्षेत्र में स्थानीय रोजगार में भी वृद्धि हुई है।

पुस्तक विमोचन

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी जिले में ऑल वेदर रोड योजना के तहत निर्माणधीन सुंरग में फंसे श्रमिकों की व्यथा–कथा पर आधारति 'वो 17 दिन' पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक में श्रमिकों की पीड़ा के साथ ही सरकार के कार्यों का उल्लेख किया गया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को सुरंग से बाहर निकालना तकनीक का कमाल था और इसमें सभी ने बेहतरीन कार्य किया। उन्होंने

कहा कि सकारात्मकता और अनुभवों से भरी यह पुस्तक निश्चित ही पढ़ने योग्य है।

स्वच्छता अभियान

चमोली जिले में स्थित भारत तिब्बत सीमा क्षेत्र की चौकियों में बदरीनाथ नगर पंचायत के सत्तावन सदस्यीय दल ने स्वच्छता अभियान चलाया। सीमा क्षेत्र में पहली बार चले इस अभियान में बहत्तर किलो प्लास्टिक कूड़ा जमा किया गया। कूड़े का निस्तारण बदरीनाथ कूड़ा निस्तारण केंद्र में किया गया। नगर पंचायत बदरीनाथ के अधिशासी अधिकारी सुनील पुरोहित ने बताया कि बदरीनाथ धाम और माणा गांव पंचायत को प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने के लिए सफाई अभियान चलाया गया।

मौसम

आज राजधानी देहरादून समेत प्रदेश में कहीं–कहीं बादल छाए रहे। मौसम विभाग ने आज देहरादून, पौड़ी, चंपावत, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर जिलों के कुछ इलाकों में भारी बारिश की संभावना जताई है। विभाग ने इन जिलों में बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा अन्य जिलों में भी भारी बारिश के आसार हैं।

सोलर पैनल

प्रदेश में ग्रीन कैंपस की अवधारणा को साकार करने के लिए सभी सरकारी महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और उनके परिसरों में सोलर पैनल लगाए जाएंगे। शिक्षण संस्थानों को इको फ्रेंडली बनाने पर जोर देते हुए उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि इससे बिजली पर आने वाले खर्च को कम कर उसका सदुपयोग अध्ययन संबंधित कार्यों और छात्रहित में किया जाएगा। देहरादून में उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में डॉ. रावत ने अधिकारियों को उच्च शिक्षण संस्थानों का शीघ्र सर्वेक्षण कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही डॉ. रावत ने समर्थ पोर्टल के माध्यम से स्नातक और परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश को लेकर आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों का शीघ्र समाधान करने की बात कही।